MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2015–2016 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2015 सत्र के लिए	31 मार्च 2016	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2016 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2016	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:
   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका युग (एम जी पी–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. खिलाफत आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन के आर्विभाव की व्याख्या कीजिए।

2. गाँधीजी के पूर्व जीवन की घटनाक्रम और आंदोलनों का उनके चरित्र के आकार पर क्या प्रभाव पड़ा? परीक्षण कीजिए।

3. गाँधी पर निम्नलिखित के प्रभाव का वर्णन कीजिएः
   क) रामायण और भागवत गीता
   ख) शास्त्रों, लोकगीत और रायचंद भाई

4. दक्षिण अफ्रीका में गाँधीजी की नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लड़ाई और भारतीय श्रमिकों के लिए अधिकार हासिल करने के अधिकार का वर्णन कीजिए।

5. लंदन में कानून के विद्यार्थी के रूप में गाँधी के विभिन्न अनुभवों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) खेड़ा सत्याग्रह
   ख) चंपारण सत्याग्रह

7. क) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
   ख) रौलेक्ट सत्याग्रह

8. क) सांप्रदायिक प्रचार
   ख) पूना पैक्ट

9. क) गोपाल कृष्ण गोखले
   ख) भगत सिंह

10. क) रवीन्द्र नाथ टैगोर
    ख) डा. भीमराव अम्बेडकर

पाठ्यक्रमः गाँधी का दर्शन (एम जी पी–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. अहिंसा की अपनी अवधारणा के विशेष संदर्भ में गाँधी पर जैन परंपरा के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

2. भारत के लोगों पर भक्ति आंदोलन और उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

3. गाँधी के जीवन में सत्य का अर्थ और महत्व की व्याख्या कीजिए।

4. गाँधीजी के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन पर पश्चिमी विचारकों के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

5. जॉन रस्सिन के आर्थिक विचारों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव स्वभाव के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) अस्पृश्यता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

7. क) भक्ति आंदोलन
   ख) हिन्दू धर्म पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

8. क) भारतीय सभ्यता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) आधुनिक सभ्यता के विरूद्ध गाँधीवादी तर्क

9. क) अहिंसक आंदोलन पर गाँधीवादी विचार
   ख) भगवान पर गाँधीजी की धारणा

10. क) सविनय अवज्ञा का कर्त्तव्य
    ख) स्वदेशी आंदोलन और खादी

पाठ्यक्रमः गाँधी का सामाजिक चिंतन (एम जी पी–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. संक्षेप में भारतीय सामाजिक व्यवस्था के गाँधीवादी आलोचना का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. हिन्दु मुस्लिम एकता के लिये गाँधीवादी दृष्टिकोण की जाँच कीजिए।

3. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका और योगदान की विवेचना कीजिए।

4. वर्णाश्रम धर्म पर गाँधीवादी दृष्टिकोण की जाँच कीजिए।

5. गाँधीवादी विचार में सत्य की अवधारणा के महत्व की व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत में दलित वर्गों पर गाँधी का दृष्टिकोण
   ख) शिक्षा पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

7. क) 21वीं सदी में श्रम पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) स्वास्थ्य पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

8. क) भारत में आधुनिकता
   ख) ब्रिटिश भारत में सांप्रदायिक संघर्ष

9. क) गाँधीवादी युग के बाद
   ख) औद्योगिक संबंधों पर गाँधीवादी दृष्टिकोण

10. क) भारत में अल्पसंख्य अधिकार
    ख) गाँधी और भारत का विभाजन

पाठ्यक्रमः गाँधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी एक भागीदारी, कार्यात्मक और अधिकतम शामिल किये जाने के साथ एक विकासात्मक राज्य के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। स्पष्ट कीजिए।

2. गाँधी की ग्राम स्वराज की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय राजनीतिक संस्थाओं और प्रथाओं की प्रकृति की जाँच कीजिए।

4. हिंद स्वराज में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ब्रिटिश राजनीतिक संस्थाओं का गाँधी का आकलन क्या था?

5. मशीनरी की गाँधीवादी आलोचना की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) व्यक्तिगत स्वायत्ता की गाँधी की अवधारणा
   ख) अधिकारों और कर्त्तव्यों पर गाँधी की अवधारणा

7. क) गाँधीवादी विचार में साधन की पवित्रता का महत्व
   ख) शक्ति पर गाँधी की अवधारणा

8. क) गाँधी का उपनिवेशवाद के विरूद्ध अहिंसक आंदोलन
   ख) विश्व व्यवस्था पर गाँधी की अवधारणा

9. क) संविधानवाद पर गाँधी के विचार
   ख) समाजवाद और साम्यवाद पर गाँधी की आलोचना

10. क) गाँधीवादी शांतिवाद के मुख्य तत्व
    ख) आर्थिक समानता और यह महसूस करने के लिए साधन पर गाँधीवादी परिप्रेक्ष्य

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति, तंदरूस्ती और न्याय पर गाँधी के विचारों की जाँच कीजिए।

2. संघर्ष समाधान के विभिन्न आक्रामक तरीकों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. शांति और सहभागिता मूलक लोकतंत्र के प्रमुख विकास के प्रतिमानों की जाँच कीजिए।

4. एक समाज कैसे विभिन्न प्रकार से संघर्ष को नियंत्रित करता है और हिंसा को रोकता है। व्याख्या कीजिए।

5. संघर्ष के स्तरों और प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद
   ख) संघर्ष और उनके समाधान पर पश्चिमी और पूवी दृष्टिकोण

7. क) वैकल्पिक विवाद प्रस्ताव का अर्थ
   ख) शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए अहिंसा का महत्व

8. क) असमानता के बीच में समानता के लिये औचित्य दीजिए।
   ख) मानव विकास और गरीबी उन्मूलन

9. क) समानता और असमानता पर उदारवादी और मार्क्सवादी दृष्टिकोण
   ख) शांति शिक्षा का अर्थ और महत्व

10. क) धार्मिक सद्भाव
    ख) शांति आंदोलन

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम जी पी ई–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी आधुनिक अर्थ शास्त्र के विरूद्ध किन आलोचनात्मक बिन्दुओं को उठाते हैं।

2. भारत और विदेश में उपनिवेशवाद से सामना ने गाँधी की आर्थिक सोच को आकार दिया । स्पष्ट कीजिए।

3. भारतीय मौलिक स्त्रोतों का वर्णन कीजिए जिनका प्रभाव गाँधी की अर्थनीति पर पड़ा।

4. जे.सी. करियप्पा के आर्थिक दर्शन और विचार के केन्द्रीय प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

5. श्रम रोजगार की अवधारणा की जाँच कीजिए। क्या यह समाज में असमानता और शोषण की समस्या का हल करता है?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद
   ख) समकालीन विश्व में गाँधीवादी स्वदेशी अवधारण

7. क) गाँधी की न्यासिता का सिद्धांत
   ख) जरूरतों की सीमा का गाँधीवादी सिद्धान्त

8. क) मशीनरी और औद्योगिकीकरण पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) अहिंसक आर्थिक व्यवस्था पर गाँधी के विचार

9. क) भारत में विकेन्द्रीकृत नियोजन
   ख) भारत में सहकारी समितियों के बुनियादी तत्व

10. क) भारत में कुटीर उद्योगों का महत्व
    ख) भारत में सतत् अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2014–2015
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका की विवेचना कीजिए।

2. गाँधीवादी युग के बाद अहिंसक आन्दोलनों का आकलन कीजिए ।

3. भारत द्वारा सामना की जा रही विभिन्न सामाजिक समस्याओं की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. भारत में मद्यनीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की प्रमुख चिंताओं की विवेचना कीजिए।

5. भूदान आंदोलन के समकालीन प्रासंगिता की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संपूर्ण क्रांति
   ख) भारत में प्रजातंत्र और सामाजिक क्रांति

7. क) भारत में किसान आंदोलन
   ख) भारत में अहिंसक पर्यावरण आंदोलन

8. क) बड़े बाँध के निर्माण के खिलाफ अहिंसक संघर्ष
   ख) चिपको आंदोलन

9. क) साइलेंट वैली (Silent Valley) आंदोलन
   ख) राष्ट्रीय जल जागरूकता अभियान

10. क) अमेरिका में काले नागरिक अधिकार आंदोलन
    ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी (Anti-apartheid) आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति के निर्माण के लिए अलग–2 दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. क्षमा और सहिष्णुता शांति के लिए पूर्व प्रयोजनीय वस्तु हैं। विवेचना कीजिए।

3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्प लेख लिखिएः
   क) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी
   ख) शांति सेना पर गाँधी का दृष्टिकोण

4. संघर्ष के विभिन्न स्रोतों की विवेचना कीजिए।

5. विवाद सुलझाने के लिए कुछ गैर–पश्चिमी अभिगमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाँधी का अहिंसा और शांतिवाद
   ख) शांति और उसकी सीमा पर कार्यात्मक दृष्टिकोण

7. क) सहिष्णुता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) सामुदायिक शांति पर गाँधी की दृष्टि

8. क) समकालीन विश्व में संवाद और वार्तालाप की प्रासंगिकता
   ख) सामाजिक संघर्षों के समाधान के लिये गाँधीवादी दृष्टिकोण

9. क) संघर्ष समाधान में वार्तालाप और समझौते का महत्व
   ख) संघर्षों को हल करने के एक साधन के रूप में उपवास पर गाँधी के विचार

10. क) श्रीलंका में जातीय संघर्ष में भारत की भूमिका
    ख) तिब्बत, म्याँमार और भूटान में गाँधीवाद की प्रासंगिकता

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम जी पी ई–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. वैश्वीकरण क्या है? यह कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को प्रभावित करता है?

2. पर्यावरण वाद–विवाद और उनके प्रतिरूप जीवन शैली चुनाव की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

3. ''राज्यों के समाज'' को शांति और व्यवस्था बनाये रखने से रोकने वाले कारक कौन से हैं?

4. ग्राम स्वराज के बुनियादी सिद्वांतों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

5. उन्नत पूंजीवादी राज्य पर वाद–विवाद की व्याख्या कीजिए । इसकी आलोचना क्या है?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मार्क्सवादी और सामाजिक प्रजातंत्र
   ख) ग्राम स्वराज और उसकी समकालीन प्रासंगिकता

7. क) भारत पर गाँधी की धर्मनिपेक्षता
   ख) महिलाओं का जागरण गाँधीवादी युग में

8. क) धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) सामाजिक समावेश के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण

9. क) मीडिया और समकालीन विश्व
   ख) मानव अधिकारों की सांस्कृतिक और धार्मिक जड़

10. क) आत्म विकास के लिए गाँधीवादी विचार
    ख) वैश्वीकरण के सामाजिक, सांस्कृतिक असर

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. समकालीन समाज में संघर्ष की प्रकृति का संक्षेप में परीक्षण कीजिए।

2. विभिन्न सैद्धांतिक संघर्ष पर तर्क और शांति के अध्ययन पर उनके प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित को लगभग 250 शब्दों में स्पष्ट कीजिएः
   क) संघर्ष समाधान
   ख) शांति की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

4. संघर्ष के प्रबंधन की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

5. सामरिक अहिंसक संघर्ष परिवर्तन करने के लिए जीशार्प (Gene Sharp) के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संघर्ष परिवर्तन करने के अभिगम
   ख) सामाजिक संघर्ष पर एडर्वड असर

7. क) नागालैण्ड में हिंसा की समस्या
   ख) पंजाब में आतंकवाद का मुख्य कारण

8. क) स्वराज पर गाँधी के विचार
   ख) अफगानिस्तान में संघर्ष

9. क) गाँधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता के विचार का वर्णन कीजिए
   ख) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के सत्याग्रह अभियानों की विशेषता

10. क) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण और शांति स्थापना रणनीतियाँ
    ख) श्रीलंका में संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास के प्रयास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. समावेशी विकास के लिए अपने योगदान को बाहर लाने के मानव विकास और सुरक्षा के लिए मानव अधिकारों के अभिगम की व्याख्या कीजिए।

2. मानव सुरक्षा और मानव विकास की स्थिति की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः
   क) आतंकवाद के लक्षण
   ख) दक्षिण एशिया में राज्य हिंसा

4. संरचनात्मक हिंसा पर गलटूँग के विचार का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. भारत में राज्य हिंसा का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव सुरक्षा और शांति निर्माण
   ख) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम

7. क) वैश्विक तापन का महत्व
   ख) मानव सुरक्षा के लिए गाँधी की अंतर्राष्ट्रीयता

8. क) खाद्य सुरक्षा और वैश्विक चिंता
   ख) भारत में असंगठित श्रमिकों की समस्या

9. क) लिंग विकास और मानव सुरक्षा
   ख) हिंसा के विभिन्न आयाम

10. क) दक्षिण एशिया में गरीबी उन्नमूलन और मानव सुरक्षा
    ख) भारत में बालश्रम की समस्या

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में लिंग और महिलाओं के विकास की विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

2. समकालीन महिलाओं के आंदोलन के लिए गाँधीवादी विरासत की प्रांसगिकता की जाँच कीजिए।

3. निम्नलिखित को लगभग (250) अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिएः
   क) बौद्ध धर्म और जैन धर्म में महिलाओं की तुलना
   ख) शांति निर्माण, शांति स्थापना और शांति प्रयास में महिलओं की भूमिका

4. लिंग आधारित हिंसा क्या है? कानूनी ढाँचे में इस समस्या से निपटने के लिये क्या प्रावधान है?

5. समकालीन विश्व में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के क्या कारण है? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) विकास के लिए गाँधी के विचार
   ख) भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

7. क) मार्क्सवादी सिद्धांत का विकास
   ख) महिलाओं पर वैश्वीकरण के प्रभाव

8. क) पर्यावरण के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान
   ख) विभिन्न संस्कृतियों में महिलाओं की भूमिका

9. क) बंग्लादेश में ग्रामीण बैंक
   ख) केन्या में ग्रीन बेल्ट आंदोलन

10. क) शांति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण
    ख) राजनीति में महिलाओं की भागीदारी

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष
(एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. हेगेल की नागरिक समाज की धारणा की व्याख्या कीजिए।

2. नागरिक समाज संगठनों की जबाबदेही के मुद्दे का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. एशिया में नागरिक समाज की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

4. ग्राम्शी की नागरिक समाज की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

5. आधुनिक राज्य की प्रमुख सिद्धांतों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) समकालीन अहिंसक विरोध आंदोलन
   ख) वैश्विक शांति आंदोलन

7. क) शांति प्रक्रिया में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका
   ख) विकास और शांति की अवधारणा

8. क) भारत में शांति आंदोलन
   ख) क्षमता निर्माण और अधिकारिता पर गाँधी के विचार

9. क) स्वैच्छिक कारवाई जुटाने के लिए सामाजिक आंदोलनों की भूमिका
   ख) नागरिक समाज संगठनों की जबाबदेही

10. क) विरोधी वैश्वीकरण आंदोलन
    ख) शांति शिक्षा

पाठ्यक्रमः गाँधी पारिस्थितिकी और सतत् विकास
(एम जी पी ई–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. पारिस्थितिकी और विकास से संबंधित समकालीन वाद–विवाद का वर्णन कीजिए।

2. पर्यावरण और विकास के बीच तीन प्रकार के सम्बन्धों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. विश्व में औद्योगिक युग के अवलोकन के साथ नये उभरते वैकल्पिक विश्व के अवलोकन की तुलना कीजिए।

4. पर्यावरण सम्मेलन पर गाँधी के विचार की जाँच कीजिए।

5. गाँधी को एक महान मानव विज्ञानी क्यों कहा जाता है? व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गाँधी के दृष्टिकोण में विकास
   ख) गाँधीवादी जीवन शैली और आजीविका

7. क) छोटा और सरस सुन्दर होता है
   ख) ग्राम स्वराज पर गाँधी के विचार

8. क) सर्वोदय का अर्थ और उत्पत्ति
   ख) पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य और सिद्धांत

9. क) प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण
   ख) विकेन्द्रीकरण

10. क) विकास के औद्योगिक आयाम
    ख) ''रालेगाँव सिद्धि'' एक आदर्श गाँव और मानव विकास

पाठ्यक्रमः शोध पद्धतियों का परिचय (एम जी पी ई–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में आकड़े के विभिन्न स्रोतों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. अनुसंधान मानदंड के बारे में प्रमुख वाद–विवाद क्या है?

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिएः
   क) सामाजिक विज्ञान की समस्या के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) एक शोध समस्या का चयन

4. नृवंश विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में समस्याओं, मुद्दों और दुविधाओं की विवेचना कीजिए।

5. साहित्य समीक्षा की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? यह अनुसंधान समस्या को परिभाषित करने में कैसे सहायता करता है?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मेरी डुगान के द्वारा संघर्ष का विश्लेषण
   ख) मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधन में अंतर

7. क) पान वैहर के द्वारा निर्धारित संघर्ष मानचित्रण
   ख) आंकड़े संग्रह की पद्धति

8. क) शांति निर्माण प्रतिमान के दृष्टिकोण
   ख) अनुसंधान कार्य में कंप्यूटर अनुप्रयोग

9. क) परिकल्पना प्रशिक्षण
   ख) अनुसंधान ढाँचे में सिद्धांत की भूमिका

10. क) अनुसंधान के निष्कर्षों का आयोजन
    ख) कार्यक्षेत्र (Field) आकड़े के अर्थ और प्रकार

पाठ्यक्रमः मानव अधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2015–16
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में अधिकारों के ऐतिहासिक और परंपरागत आधार की विवेचना कीजिए।

2. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान मानवधिकारों के विकास का अनुरेखण कीजिए।

3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः
   क) मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा का महत्व
   ख) भारतीय नागरिक समाज और मानव अधिकार

4. समकालीन विश्व में प्रमुख मानव अधिकारों का उल्लंघन और लिंग भेदभाव का वर्णन कीजिए।

5. मानव अधिकारों पर दो संयुक्त राष्ट्र वाचाओं के कार्यान्वयन तंत्र की व्याख्या का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत में बाल अधिकारों की उभरती चुनौतियाँ
   ख) अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकारों की रक्षा करने के लिए संवैधानिक प्रावधान

7. क) भारत में अल्पसंख्यकों और वंचित वर्ग के अधिकार
   ख) स्थानीय समूह का अधिकार

8. क) राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों का अन्योन्याश्रय
   ख) सामाजिक सुधार के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण

9. क) मानव अधिकारों के योद्धा के रूप में गाँधी
   ख) आर्थिक और शैक्षिक अधिकार

10. क) सत्याग्रह की समकालीन प्रासंगिकता
    ख) मानव अधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय बिल